विकास सड़क, स्टेडियम, बस स्टैंड, वाटर पार्क, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और पार्क जैसी योजनाओं से बदली नगर की पहचान

विकास की मिसाल : दो कार्यकाल में बदली शहर की तस्वीर

नवभारत,धनपुरी । नगर पालिका परिषद धनपुरी द्वारा विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण व विकास के कार्य किए गए जो नगर के लोगों के लिए गौरव की बात एक सच्चे चुने गए जनप्रतिनिधि की पहचान उसके विकास कार्यों से होती है नगर पालिका धनपुरी में वर्ष 2012 से शुरू हुई विकास यात्रा इसी सोच का उदाहरण मानी जाती है। नगर पालिका अध्यक्ष रविंदर कौर छाबड़ा के दो कार्यकालों में शहर ने आधारभूत सुविधाओं, सौंदर्यीकरण, खेल, यातायात और सार्वजनिक अधोसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा। लगभग नौ वर्षों के कार्यकाल में सड़कों से लेकर बस स्टैंड, इंडोर स्टेडियम, वाटर पार्क, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और वृहद पार्क जैसी अनेक परियोजनाओं ने नगर की तस्वीर बदलने का प्रयास किया। यही कारण है कि विकास और जनसेवा को लेकर उनका कार्यकाल आज भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

राजनीति में साधारण शुरुआत जनसेवा बनी पहचान

वर्ष 2012 से पहले रविंदर कौर छाबड़ा राजनीति में बहुत अधिक सक्रिय नहीं थीं। सामाजिक कार्यों से जुड़ी एक सामान्य महिला के रूप में उनकी पहचान थी। वर्ष 2012 में भारतीय जनता पार्टी ने उन्हें नगर पालिका अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया। जनता ने उन पर विश्वास जताया और उन्होंने पहली बार अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। चुनाव के दौरान किए गए विकास संबंधी वादों को उन्होंने प्राथमिकता दी और नगर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कार्य प्रारंभ किया।

पहले कार्यकाल में बदली शहर की आधारभूत तस्वीर

रविंदर कौर छाबड़ा के पहले कार्यकाल में नगर पालिका कार्यालय से लेकर जनपद कार्यालय तक मॉडल रोड का निर्माण कराया गया। इस सड़क ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया बल्कि शहर को आधुनिक स्वरूप भी प्रदान किया। इसके साथ ही कई संकरी सड़कों का चौड़ीकरण एवं निर्माण कराया गया, जिससे यातायात व्यवस्था में सुधार आया। नगर के विभिन्न वार्डों में सीसी सड़कें और नालियों का निर्माण कराया गया। इन कार्यों से वर्षों से चली आ रही जलभराव और आवागमन की समस्याओं में कमी आई। कई मोहल्लों में आज भी इन्हीं निर्माण कार्यों का लाभ नागरिकों को मिल रहा है। इसी कार्यकाल में खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडोर स्टेडियम का निर्माण कराया गया। वहीं वार्ड स्तर पर सांस्कृतिक मंचों का निर्माण कर सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए स्थायी व्यवस्था विकसित की गई। इन कार्यों ने नगर के सामाजिक जीवन को भी नई दिशा देने का प्रयास किया।

चुनावी अंतराल के बाद फिर मिला जनता का विश्वास

वर्ष 2017 से 2022 के बीच नगर निकाय चुनाव नहीं हो सके। लंबे अंतराल के बाद जब पुन: चुनाव हुए तो जनता ने एक बार फिर रविंदर कौर छाबड़ा पर भरोसा जताया और उन्हें दूसरी बार नगर पालिका अध्यक्ष चुना। यह जनसमर्थन उनके पहले कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों का परिणाम माना गया। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने पहले से शुरू विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ कई नई और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर काम प्रारंभ कराया।

नई परियोजनाओं से मिला विकास को नया आयाम

दूसरे कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से नगर में वाटर पार्क का निर्माण कराया गया, जो क्षेत्र के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। कैंप नंबर-1 में खेल मैदान का निर्माण युवाओं को खेल गतिविधियों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्षों पुरानी नए बस स्टैंड की मांग को भी पूरा करने की दिशा में कार्य हुआ। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक बस स्टैंड लगभग तैयार हो चुका है। इसके शुरू होने के बाद यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही नगर में विकसित हो रहा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स स्थानीय व्यापारियों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण परियोजना माना जा रहा है। हिंदी चिकित्सालय के समीप करोड़ों रुपये की लागत से बन रहा वृहद पार्क शहर के सौंदर्यीकरण के साथ नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

धनपुरी और बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रैबीज इंजेक्शन की कमी

मरीजों की बढ़ी मुश्किलें

नवभारत,धनपुरी। बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध नहीं होने को ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों ने गहरी चिंता व्यक्त की है व जिला प्रशासन से मांग करते हुए उन्होंने कहा कि रेबीज जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक होता है, लेकिन अस्पतालों में इंजेक्शन उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को निजी मेडिकल दुकानों से महंगे दामों पर इसे खरीदना पड़ रहा है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर और ग्रामीण परिवारों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढार के अंतर्गत बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र आते हैं, जहां प्रतिदिन अनेक मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें कुत्ते, बंदर या अन्य जानवरों के काटने के मामले भी शामिल होते हैं। ऐसे मरीजों को तत्काल रेबीज इंजेक्शन की आवश्यकता होती है, लेकिन अस्पताल में इसकी अनुपलब्धता के कारण उन्हें बाहर से दवा खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। कई जरूरतमंद परिवारों के लिए यह खर्च वहन करना आसान नहीं होता, जिससे समय पर उपचार प्रभावित होने का भी खतरा बना रहता है।

नागरिकों ने कहा कि शासन की ओर से शासकीय अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति इन दावों से अलग दिखाई देती है। आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं और टीकों की कमी यह दर्शाती है कि स्वास्थ्य व्यवस्था में अभी भी कई स्तरों पर सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब रेबीज जैसी गंभीर बीमारी की रोकथाम के लिए आवश्यक इंजेक्शन ही अस्पतालों में उपलब्ध नहीं होंगे, तो आम नागरिकों को सुरक्षित और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं कैसे मिल सकेंगी। नागरिकों ने संबंधित स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मांग की है कि धनपुरी एवं बुढार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में तत्काल पर्याप्त मात्रा में रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध कराया जाए, ताकि मरीजों को समय पर नि:शुल्क उपचार मिल सके। नागरिकों ने कहा कि जनहित से जुड़े ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही उचित नहीं है।

यदि समय रहते आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो इसका खामियाजा आम नागरिकों, विशेषकर ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और आवश्यक दवाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी मांग की।

एक नजर में

बागेश्वर धाम से लौटे श्रद्धालुओं के स्वागत में उमड़ा सैलाब

नवभारत,शहडोल। बागेश्वर धाम की पावन यात्रा पूर्ण कर लौटे अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल एवं ओजस्विनी महिला परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्वयंसेवक एवं श्रद्धालुओं का शहडोल जिले के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। यात्रा की सफलता पर विभिन्न स्थानों पर स्वागत, अभिनंदन एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ श्रद्धालुओं ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए तथा सनातन संस्कृति के प्रति अपनी निष्ठा को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में धनपुरी नगर में आयोजित स्वागत कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। ओजस्विनी महिला परिषद की टीम ने बागेश्वर धाम से लौटे श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं का पुष्पवर्षा एवं आत्मीय भाव से स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री हनुमान जी के स्मरण, जयघोष एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके उपरांत आजाद चौक स्थित राष्ट्रीय बजरंग दल के विजय ध्वज के समक्ष सभी श्रद्धालुओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से ध्वज प्रणाम कर राष्ट्र, धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के लिए अपने संकल्प को पुनः दोहराया। पूरे वातावरण में 'जय श्री राम', 'हर-हर महादेव' और 'भारत माता की जय' के उद्घोष गूंजते रहे, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय एवं राष्ट्रभक्ति के भाव से ओत-प्रोत हो उठा। इस अवसर पर प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने सफल यात्रा की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बागेश्वर धाम की यह यात्रा केवल एक धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि संगठन, सेवा, अनुशासन एवं सनातन चेतना को सशक्त करने का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समाजहित एवं धर्मरक्षा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, ओजस्विनी महिला परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, स्वयंसेवक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक मुद्दा : नगर कांग्रेस कमेटी ने मनाया जीत का जश्न

नवभारत, धनपुरी । देश भर में नीट परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन कर रहे लाखों छात्र-छात्राओं के संघर्ष को मिली सफलता के बाद शहडोल जिले के धनपुरी में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर जश्न मनाया, इस दौरान नगर कांग्रेस कमेटी धनपुरी द्वारा छात्र शक्ति के समर्थन में नारेबाजी की और उनके ऐतिहासिक संघर्ष को सलाम किया देश भर में छात्र यूनियनों और युवाओं ने नीट परीक्षा में व्याप्त भ्रष्टाचार तथा पेपर लीक के खिलाफ जो ऐतिहासिक आंदोलन और धरना-प्रदर्शन किया था, आज उसकी शानदार जीत हुई है।

सत्ता के अहंकार में चूर सरकार जो युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही थी, उसे देश के कोने-कोने से उठे शिक्षित नौजवानों और छात्र संगठनों की एकजुट ताकत के आगे घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा है। नगर कांग्रेस कमेटी धनपुरी द्वारा एवं ब्लॉक कांग्रेस के तत्वावधान में पूरा कांग्रेस परिवार इस जीत का उत्सव मना रहा है। कांग्रेस पार्टी सदैव देश के युवाओं और छात्रों के हक व भविष्य की सुरक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रही है और आगे भी उनके हर संघर्ष में साथ रहेगी। इस अवसर पर धनपुरी नगर के वरिष्ठ कांग्रेस के नेता मौजूद थे जिनमे हनुमान प्रसाद खंडेलवाल, अशोक सिंह संतोष सिंह सेंगर, मोहम्मद आजाद, राजीव शर्मा, मोहम्मद कलाम,एवं ब्लॉक अध्यक्ष अंकित सिंह सहित कांग्रेस परिवार के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अमलाई में चोरी के खुलासे के बाद भी जांच पर लग रहे प्रश्न चिन्ह

प्रदीप शर्मा

नवभारत,अमलाई। थाना क्षेत्र वार्ड क्रमांक 6 छोटी अमलाई के अंतर्गत रहने वाले ध्रुव लोनिया द्वारा 15-7-26 को अमलाई थाने में शिकायत दी जाती है कि मेरे घर से अज्ञात चोरों द्वारा सोने चांदी के महंगे आभूषण अलमारी से चोरी कर लिए गए उस समय घर पर कोई नहीं था अपने आवेदन में फरियादी द्वारा लिखित में दिया गया कि मेरे घर से जो आभूषण चोरी गए हैं उनमें सोने का झुमका, सोने की अंगूठी, बच्चों का लॉकेट, सोने की बिंदी,चांदी का ब्रेसलेट था जो करीब लगभग पीड़ित द्वारा 200000/दो लाख के आसपास बताया गया जिसकी खबर नवभारत ने प्रमुखता के साथ प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान पीड़ित परिवार के प्रति आकृष्ट कराया था जिसके जांच उपरांत पीड़ित द्वारा शक के आधार पर पुलिस को कुछ लोगों का नाम भी बताया गया जिस पर पुलिस द्वारा फरियादी की निशान देही वह पहचान कर्ताओं के नाम के आधार पर अमलाई पुलिस द्वारा बताए गए हुए आरोपियों से पूछताछ करने पर पता चला इनके द्वारा ही पीड़ित ध्रुव लोनिया के घर से सोने के चांदी के आभूषण चोरी करके अन्य अलग-अलग जगह पर दूसरों के पास बेचा गया था।

पुलिस की जांच संदेह के घेरे में

शिकायत के बाद पुलिस द्वारा चोरी की वारदात की और विवेचना कर आरोपियों पर कार्यवाही तो की गई लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है की जो चोरी गए सामान के खरीददार थे पुलिस द्वारा उन पर किसी तरह की कार्रवाई न करना कई तरह के प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है पीड़ित द्वारा बताया जाता है कि धनपुरी निवासी दीपक गुप्ता के पास पुलिस द्वारा सोने की बेंदी जप्त की गई वहीं रेलवे कॉलोनी निवासी जब्बार खान के पास से अंगूठी बरामद की गई वह भी आधे अधूरे टुकड़ों में वहीं चांदी का ब्रेसलेट नंदलाल मांझी के पास से जप्त किया गया अब इस पर सवाल यह उठता है अमलाई पुलिस द्वारा चोरों की गिरफ्तारी तो दर्शा दी गई लेकिन चोरी के आभूषण खरीदने वाले के ऊपर कार्यवाही न करना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है जबकि कानून के अनुसार चोरी का माल खरीदना व बेचना दोनों अपराध की श्रेणी में आता है लेकिन अमलाई पुलिस की जांच की भूमिका पर कई प्रकार के प्रश्न चिन्ह खड़ा करते है की पुलिस द्वारा तत्परता पूर्वक चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया लेकिन पीड़ित की माने तो जो मुख्य आभूषण था सोने की झुमकी जिसकी तकरीबन कीमत 100000 /एक लाख से ऊपर बताई जाती है जो आरोपी द्वारा पुलिस को बताया गया कि वह आभूषण मैंने अपनी कर पर रख दिया था उसके बाद उसे गाड़ी को और अन्न लोग भी ले गए थे इसलिए मुझे नहीं मालूम कि वह आभूषण कहां गया जबकि पुलिस द्वारा उक्त गाड़ी को जप्त न करके आरोपी द्वारा अपनी गाड़ी को किन-किन के द्वारा ले जाया गया था उन सबसे पूछताछ कर चोरी गए गए सामान को पूछताछ करनी चाहिए ।

जनजातीय शिल्प को मिल रही नई पहचान, हुनर को बाजार से जोड़ने की पहल

ऑनलाइन बाजार से जुड़ने की राह हुई आसान

नवभारत,शहडोल। शहडोल की पहचान केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध वन संपदा और जनजातीय संस्कृति से ही नहीं, बल्कि यहां के कुशल शिल्पकारों की पारंपरिक कला और हुनर से भी है। वर्षों से गोंडी पेंटिंग, काष्ठ शिल्प, रॉट आयरन तथा कालीन-दरी निर्माण जैसी हस्तशिल्प विधाएं जिले के जनजातीय परिवारों की आजीविका का महत्वपूर्ण साधन होने के साथ-साथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी जीवंत बनाए हुए हैं। बीच स्थानीय शिल्पकारों के सामने अपनी कला को व्यापक बाजार और नई पहचान दिलाने की चुनौती रही है।

इन्हीं चुनौतियों को अवसर में बदलने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शिल्पकारों को प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

परंपरागत हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य स्थानीय शिल्पकारों को उनके पारंपरिक हुनर को और अधिक निखारने के साथ आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने के लिए सक्षम बनाना था। प्रशिक्षण के माध्यम से शिल्पकारों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता, डिजाइन और प्रस्तुतीकरण में सुधार करने का अवसर मिला। इससे स्थानीय कलाकारों में अपने हुनर को लेकर आत्मविश्वास बढ़ने के साथ रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों की संभावनाएं भी बनी हैं।प्रशिक्षण के उपरांत आयोजित जनजातीय शिल्पकार नामिका मेले ने स्थानीय शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध कराया। मेले में शिल्पकारों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न पारंपरिक एवं कलात्मक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

हनुमान मंदिर परिसर में रोपे फलदार और फूलदार पौधे

नवभारत,शहडोल। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने और शहर में हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में एकादशी के पावन अवसर पर पुराना बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ' अभियान के तहत मंदिर परिसर में फ्लदार, फूलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पौधों की देखभाल और उन्हें संरक्षित करने का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे ने शमी का पौधा रोपकर किया। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि स्वच्छ वायु, छाया और जैव विविधता के संरक्षण के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित भविष्य की नींव भी तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में पौधरोपण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

एसपी ने देर रात सीमावर्ती थाने का किया औचक निरीक्षण

देवलोंद थाना क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों का लिया जायजा

नवभारत,शहडोल। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर पूर्णत: अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 की दरम्यानी रात जिले के सीमावर्ती थाना देवलोंद क्षेत्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक के देर रात अचानक क्षेत्र में पहुंचने से पुलिस महकमे में भी सक्रियता देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना देवलोंद अंतर्गत ग्राम सथनी, जनकपुर एवं सुखाड़ सहित आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया।

संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ेगी पुलिस की मौजूदगी

पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस का लगातार भ्रमण एवं प्रभावी पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्रों में पुलिस की दृश्यता (टपेपइपसपजल) और सक्रिय मौजूदगी बढ़ाई जाए, ताकि आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हो और असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय बना रहे।उन्होंने क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस गश्त को प्रभावी बनाने के साथ ही सीमावर्ती इलाकों में स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया।

नशे से दूरी है जरूरी 2 .0, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंची पुलिस

व्यापारियों और नागरिकों से संवाद कर नशे के दुष्परिणाम बताए

नवभारत,शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देशन में जिले में संचालित 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' जन-जागरूकता अभियान के तहत पुलिस द्वारा लगातार व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत जिले के समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ आम नागरिकों, व्यापारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क कर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश दिया गया।अभियान के दौरान थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को नशे के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए नशे से पूरी तरह दूर रहने की अपील की। नागरिकों को समझाया गया कि नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करती है, बल्कि इसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर भी पड़ता है।

व्यापारियों से पुलिस ने की विशेष अपील

पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से अपील की कि वे अपने प्रतिष्ठानों के आसपास किसी भी प्रकार की संदिग्ध या अवैध मादक पदार्थों से जुड़ी गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। पुलिस ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग बेहद जरूरी है। व्यापारियों और नागरिकों की सजगता से अवैध मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी जैसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

घटना ग्राम खम्हरिया कला की घटना ने झकझोरा, बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव को लेकर सतर्क रहने की अपील

सर्पदंश से 11 वर्षीय मासूम बच्ची की दुखद मौत, गांव में पसरा मातम

नवभारत,शहडोल। जिले के ग्राम खम्हरिया कला में सर्पदंश की एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आई है। बताया गया कि ग्राम निवासी बाबूलाल पटेल की 11 वर्षीय नातिन वैष्णवी पटेल, जो कक्षा पांचवीं की छात्रा थी, सर्पदंश का शिकार हो गई। घटना के बाद बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है। मासूम बच्ची की असमय मृत्यु की खबर जिसने भी सुनी, उसकी आंखें नम हो गईं।

परिजनों और ग्रामीणों के लिए यह घटना बेहद पीड़ादायक है। एक मासूम बच्ची, जो अभी जीवन की शुरुआती दहलीज पर थी और जिसके भविष्य को लेकर परिवार ने कई सपने संजोए थे, उसके यूं अचानक दुनिया से चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ईश्वर दिवंगत मासूम वैष्णवी पटेल की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल माता-पिता और परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतरा

गौरतलब है कि बारिश के मौसम में खेतों, झाड़ियों, घरों के आसपास तथा नमी वाले स्थानों पर सांपों की सक्रियता बढ़ जाती है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रात के समय घर से बाहर निकलते समय टॉर्च का उपयोग करें। खेत, लकड़ी के ढेर, झाड़ियों अथवा अंधेरे स्थानों पर हाथ डालने से पहले अच्छी तरह जांच कर लें। घर के आसपास घास-फूस और कचरा जमा न होने दें तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें।

सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक में समय नहीं गंवाएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह है कि यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो घबराएं नहीं और पीड़ित को जल्द से जल्द नजदीकी सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाएं। सर्पदंश के मामले में झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र या घरेलू उपचार के भरोसे समय गंवाना जानलेवा साबित हो सकता है। पीड़ित को कम से कम हिलाएं-डुलाएं और तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करें। समय पर उपचार और एंटीवेनम उपलब्ध होने से सर्पदंश के कई मामलों में जीवन बचाया जा सकता है।खम्हरिया कला की यह दुखद घटना एक बार फिर लोगों को सचेत करती है कि बारिश के मौसम में सर्पदंश से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतना बेहद जरूरी है। सावधानी, जागरूकता और समय पर अस्पताल पहुंचाना ही सर्पदंश से होने वाली मौतों को रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है।

सड़कों के किनारे लगे कचरा कंटेनर बदहाल

शहर को स्वच्छ रखने की योजना पर सवाल

नवभारत,शहडोल। स्वच्छ और सुंदर शहडोल' का सपना कागजों तक ही सीमित रह जाएगा और कचरा रखने के लिए लगाए गए डिब्बे खुद शहर की गंदगी और बदहाल व्यवस्था की पहचान बन जाएंगे। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद द्वारा समय-समय पर कई योजनाएं और अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से कुछ अलग ही नजर आती है। शहर में पिछली परिषद के कार्यकाल के दौरान भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों और प्रमुख बाजारों में सड़क किनारे कचरा संग्रहण के लिए लगाए गए कचरे के डिब्बे अब खुद ही कचरे में तब्दील होते नजर आ रहे हैं। जिन डिब्बों को शहर का कचरा समेटने और सड़कों को साफ रखने के लिए लगाया गया था, वे आज खुद गंदगी और अव्यवस्था की तस्वीर बन गए हैं।

कचरे के डिब्बे बने कचरा

शहर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों के किनारे लगाए गए कचरा संग्रहण डिब्बों की स्थिति धीरे-धीरे खराब होती गई। कहीं डिब्बे टूट चुके हैं तो कहीं उनकी हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि उनका उपयोग करना मुश्किल है। कई स्थानों पर कचरा डिब्बों के आसपास ही गंदगी का अंबार लगा रहता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर इन कचरा कंटेनरों को लगाने का उद्देश्य क्या था, जब उनका नियमित रखरखाव और समय पर कचरा उठाने की व्यवस्था ही सुनिश्चित नहीं की जा रही है।

सफाई व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि बाजार क्षेत्रों में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कचरा निकलता है। दुकानदारों और राहगीरों की सुविधा के लिए लगाए गए कचरा डिब्बों की नियमित सफाई और समय पर कचरा उठाने की व्यवस्था जरूरी है। लेकिन कई स्थानों पर कचरा डिब्बे भर जाने के बाद भी लंबे समय तक कचरा नहीं उठाया जाता।

स्वच्छ शहर के दावों को मुंह चिढ़ा रहे कचरे के डिब्बे

नगर में स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं। लोगों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की जाती है, लेकिन दूसरी ओर कचरा संग्रहण के लिए लगाए गए डिब्बों की बदहाली व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रही है। सड़क किनारे पड़े जर्जर और गंदगी से घिरे कचरा डिब्बे मानो जिम्मेदारों से पूछ रहे हों कि 'जब हमें कचरा समेटने के लिए लगाया गया था, तो हमारी सफाई और देखरेख कौन करेगा।